एम.एल. झिंगन

समष्टि अर्थशास्त्र

MACRO ECONOMICS

अष्टम संस्करण

Scanned by TapScanner

विषय-सूची

भाग एक

मूल धारणाएं
(Basic Concepts)

1. **समष्टि अर्थशास्त्र की प्रकृति तथा क्षेत्र** 1-11

(Nature and Scope of Macroeconomics)

समष्ठि अर्थशास्त्र का क्षेत्र तथा महत्व; समष्टि अर्थशास्त्र की सीमाएं; व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र में भेद, दोनों मार्गों के परस्पर संबंध तथा एकीकरण की समस्याएं, समष्टि स्थैतिकी, समष्टि प्रावैगिकी, तुलनात्मक स्थैतिकी, व्यष्टि अर्थशास्त्र से समष्टि अर्थशास्त्र की और संक्रमण, प्रश्न।

2. **मूल धारणाएं** 12-16

(Basic Concepts)

स्टॉक और प्रवाह; समष्टि आर्थिक मॉडल; प्रत्याशित तथा यथार्थ चर; प्रश्न।

भाग दो

राष्ट्रीय आय लेखांकन
(National Income Accounting)

3. **राष्ट्रीय आय की धारणाएं और माप** 17-37

(Concept and Measurement of National Income)

प्रस्तावना; राष्ट्रीय आय की परिभाषा; राष्ट्रीय आय की धारणा एवं माप की विधियां; सकल घरेलू उत्पाद; सकल राष्ट्रीय उत्पाद; आय विधि; व्यय विधि; मूल्य बढ़ाव द्वारा GNP; बाजार कीमतों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद; साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद; शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद; बाजार कीमतों पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद; साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद; घरेलू आय या उत्पाद; निजी आय; वैयक्तिक आय; प्रयोज्य आय; वास्तविक आय; प्रति व्यक्ति आय; राष्ट्रीय आय मापने की विधियां; राष्ट्रीय आय के माप में कठिनाइयां; विकासशील अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय मापने की समस्याएं; राष्ट्रीय आय विश्लेषण का महत्त्व; राष्ट्रीय आय धारणाओं में परस्पर संबंध; कुछ समस्याओं के हल; प्रश्न।

4. **आर्थिक कल्याण और राष्ट्रीय आय** 38-42

(Economic Welfare and National Income)

आर्थिक कल्याण क्या है ? आर्थिक कल्याण व राष्ट्रीय आय में सम्बन्ध; राष्ट्रीय आय आर्थिक कल्याण के माप के रूप में; प्रश्न।

5. **सामाजिक लेखांकन** 43-49

(Social Accounting)

अर्थ; सामाजिक लेखांकन के घटक; सामाजिक लेखों का प्रस्तुतीकरण; सामाजिक लेखांकन का महत्त्व; सामाजिक लेखांकन की कठिनाइयां, प्रश्न।

Scanned by TapScanner

6. आय का चक्रीय प्रवाह
(The Circular Flow of Income) 50-5
अर्थ; घरेलू तथा व्यवसाय क्षेत्र के बीच आय का चक्रीय प्रवाह; बचत और निवेश युक्त आय का प्रवाह; त्रि-क्षेत्रीय अर्थ व्यवस्था या सरकारी क्षेत्र युक्त आय का चक्रीय प्रवाह; विदेशी क्षेत्र युक्त या चार-क्षेत्रीय आय का चक्रीय प्रवाह; चक्रीय प्रवाह का महत्त्व; प्रश्न।

7. राष्ट्रीय आय लेखांकन
(National Income Accounting) 57-6
प्रस्तावना; आगत-निर्गत लेखांकन; निधियों के प्रवाह लेखे; भुगतान शेष लेखे; प्रश्न।

भाग तीन

समष्टि आर्थिक सिद्धान्त

(Macro-Economic Theory)

8. रोजगार का क्लासिकी सिद्धान्त
(The Classical Theory of Employment) 69-76
प्रस्तावना; रोजगार का क्लासिकी सिद्धान्त; मान्यताएं; से का बाजार नियम; पीगु का मत; पूर्ण क्लासिकी मॉडल का सारांश, क्लासिकी सिद्धान्त की केन्ज़ द्वारा आलोचना; प्रश्न।

9. 'से' का बाजार नियम
(Say's Law of Market) 77-80
से का नियम; से के नियम की प्रस्थापनाएं और उसमें निहितार्थ; से के नियम की आलोचनाएँ; प्रश्न।

10. प्रभावी मांग का नियम
(The Principle of Effective Demand) 81-86
प्रस्तावना; अर्थ; समस्त मांग कीमत और वक्र; समस्त पूर्ति कीमत और वक्र; प्रभावी मांग का निर्धारण; प्रभावी मांग का महत्व; प्रश्न।

11. उपभोग फलन
(The Consumption Function) 87-97
प्रस्तावना; उपभोग फलन का अर्थ; उपभोग फलन के गुण अथवा तकनीकी विशेषताएँ; सीमांत उपभोग प्रवृत्ति और औसत उपभोग प्रवृत्ति में संबंध; केन्ज़ का उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम; केन्ज़ के नियम के निहित तत्व अथवा उपभोग फलन का महत्व; उपभोग फलन के निर्धारक; उपभोग प्रवृत्ति बढ़ाने के उपाय; प्रश्न।

12. उपभोग फलन के सिद्धान्त
(Thories of the Consumption Function) 98-108
प्रस्तावना; केन्ज़ का उपभोग फलन सिद्धांत; निरपेक्ष आय परिकल्पना; सापेक्ष आय परिकल्पना; स्थायी आय परिकल्पना; जीवन-चक्र परिकल्पना; प्रश्न।

13. बचत फलन
(The Saving Function) 109-114
बचत फलन का अर्थ; बचत प्रवृत्ति; बचत के निर्धारक; किफायत का विरोधाभास; प्रश्न।

14. निवेश फलन
(The Investment Function) 115-126
निवेश और पूंजी का अर्थ; निवेश के प्रकार; पूंजी की सीमान्त उत्पादकता; प्रत्याशाओं की भूमिका; निवेश की सीमान्त उत्पादकता; MEC और MEI में भेद; प्रेरित निवेश को प्रभावित करने वाले अन्य (ब्याज दर से भिन्न)

Scanned by TapScanner

कारक; प्रश्न।

15. **बचत तथा निवेश समानता** 127–132
(Saving and Investment Equality)
प्रस्तावना; क्लासिकी विचारधारा; केन्ज़वादी विचारधारा; अन्य मत; प्रश्न।

16. **गुणक की धारणा** 133–145
(The Concept of Multiplier)
प्रस्तावना; निवेश गुणक; कार्यकरण, मान्यताएं; रिसाव; आलोचनाएं; महत्त्व; प्रावैगिक या समयावधि गुणक; रोजगार गुणक; गुणक सिद्धान्त की विकासशील देशों पर व्यवहार्यता; प्रश्न।

17. **जटिल गुणक** 146–151
(Complex Multipliers)
प्रस्तावना; सरकारी व्यय गुणक; कर गुणक; संतुलित बजट गुणक; प्रश्न।

18. **विदेश व्यापार गुणक** 152–156
(Foreign Trade Multiplier)
विदेश व्यापार गुणक का कार्यकरण; विदेश व्यापार गुणक का अल्पविकसित देशों में महत्त्व अथवा व्यवहार्यता; प्रश्न।

19. **त्वरण सिद्धांत तथा अतिगुणक** 157–165
(The Theory of Acceleration and Super Multiplier)
प्रस्तावना; त्वरण का सिद्धान्त; त्वरण सिद्धान्त का कार्यकरण; आलोचनाएं; त्वरक का निवेश सिद्धान्त के रूप में कार्य; अतिगुणक या गुणक–त्वरक परस्पर क्रिया; व्यापार–चक्रों में गुणक–त्वरक परस्पर क्रिया का उपयोग; प्रश्न।

20. **निवेश के कुछ नये सिद्धान्त** 166–178
(Some New Theories of Investment)
निवेश का त्वरक सिद्धान्त; लचीला त्वरक सिद्धान्त या निवेश में पश्चता; कोयस्क का सिद्धान्त; निवेश के वित्तीय सिद्धान्त; निवेश का लाभ सिद्धान्त; डुजनबरी का निवेश का वित्तीय सिद्धान्त; जोर्गनसन का निवेश का नव–क्लासिकी सिद्धान्त; प्रश्न।

21. **आय निर्धारण मॉडल** 179–185
(Income Determination Model)
प्रस्तावना; दो–क्षेत्रीय मॉडल : इसकी मान्यताएं; व्याख्या; समस्त मांग और समस्त पूर्ति की समानता; बचत और निवेश की समानता; तीन–क्षेत्रीय मॉडल : सरकारी व्यय; कराधान; चार–क्षेत्रीय मॉडल : खुली अर्थव्यवस्था में आय निर्धारण; प्रश्न।

22. **मजदूरी–कीमत लचीलापन और रोजगार** 186–196
(Wage-Price Flexibility and Employment)
प्रस्तावना; क्लासिकी मत; केन्ज़ द्वारा क्लासिकी मत की आलोचनाएं; केन्ज़ीय मत; मुद्रा मजदूरी कटौतियों तथा रोजगार के सम्बन्ध में केन्ज़ का मत; लचीली मजदूरी नीति बनाम लचीली मौद्रिक नीति; केन्ज़ प्रभाव; प्रश्न।

23. **रोजगार का केन्ज़ीय सिद्धान्त–पूर्ण मॉडल** 197–200
(Keynesian Theory of Employment–Complete Model)
प्रस्तावना; आय उत्पादन और रोजगार का केन्ज़ीय सिद्धान्त; केन्ज़ीय सिद्धान्त के नीति निहितार्थ; प्रश्न।

24. **अल्पविकसित देशों पर केन्ज़ के सिद्धान्त की व्यवहार्यता** 201–206
(Applicability of Keynes's Theory on Underdeveloped Countries)
प्रस्तावना; केन्ज़वादी मान्यताएं तथा अल्पविकसित देश; केन्ज़वादी सिद्धान्त के औजार तथा अल्पविकसित देश; प्रश्न।

Scanned by TapScanner

25. क्लासिकी और केन्जीय मॉडलों की तुलना
(Comparison of Classical and Keynesian Models)
जनरल थ्योरी : विकासी या क्रांतिकारी; क्लासिकी बनाम केन्जीय सिद्धान्त; केन्ज़ के सिद्धान्त की आलोचना; निष्कर्ष; प्रश्न।

भाग चार

मुद्रा एवं बैंकिंग
(Money and Banking)

26. मुद्रा के कार्य और प्रकार
(Functions and Types of money)
मुद्रा की प्रकृति और परिभाषा; मुद्रा की सैद्धांतिक और अनुभवसिद्ध परिभाषाएं, मुद्रा का वर्गीकरण अथवा प्रकार; मुद्रा तथा निकट मुद्रा; मुद्रा के कार्य; आतंरिक और बाह्य मुद्रा; प्रश्न।

27. मुद्रा की तटस्थता
(Neutrality of Money)
अर्थ; क्लासिकी व्यवस्था में मुद्रा की तटस्थता; मुद्रा की तटस्था की शर्तें या मान्यताएं; केन्जी़य अर्थव्यवस्था में मुद्रा की तटस्थता; मुद्रावादी विचार; प्रश्न।

28. मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त और उसके रूपान्तर
(The Quantity Theory of Money and its Variants)
मुद्रा के मूल्य का अर्थ; फिशर का नकदी लेन–देन सिद्धान्त; नकदी शेष केम्ब्रिज सिद्धान्त या समीकरण; लेनङ्कदेन सिद्धान्त बनाम नकदी शेष सिद्धान्त; नकदी शेष सिद्धान्त की लेनङ्कदेने सिद्धान्त पर श्रेष्ठता; प्रश्न।

29. मुद्रा तथा कीमतों का केन्ज़ीय सिद्धान्त
(The Keynesian Theory of Money and Prices)
भूमिका; केन्ज़ द्वारा पुन: व्यवस्थापित मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त; परम्परागत मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त पर केन्जीय सिद्धान्त की श्रेष्ठता; केन्ज़ के मुद्रा और कीमत सिद्धान्त की आलोचनाएं; प्रश्न।

30. फ्रीडमैन का मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त का पुन: प्रतिपादन
(Friedman's Re-Formulation of the Quantity Theory of Money)
भूमिका; फ्रीडमैन का सिद्धान्त; आलोचनाएं; फ्रीडमैन के मुद्रा सिद्धान्त का अनुभवसिद्ध प्रमाण; फ्रीडमैन बनाम केन्ज़; प्रश्न

31. पेटिनकन का मौद्रिक सिद्धांत और पीगू प्रभाव
(The Patinkin Monetary Theory and Pigou Effect)
पेटिनकिन द्वारा किया गया मुद्रा तथा मूल्य सिद्धांत का एकीकरण: वास्तविक शेष प्रभाव; आलोचनाएं; पीगू प्रभाव; आलोचनाएं; पीगू प्रभाव तथा वास्तविक शेष प्रभाव में अन्तर; प्रश्न।

32. मुद्रा की मांग
(The Demand for Money)
भूमिका; क्लासिकी मत; केन्ज़ीय मत; तरलता अधिमान; केन्जोपरान्त : बोमल का मालसूची सैद्धान्तिक मत; इसकी क्लासिकी और केन्ज़ी मतों पर श्रेष्ठता; टोबिन का निवेशसूची चयन मॉडल : जोखिम निवारण तरलता अधिमान सिद्धान्त; इसकी केन्ज़ीय सिद्धान्त पर श्रेष्ठता; फ्रीडमैन का मुद्रा मांग सिद्धान्त; प्रश्न।

Scanned by TapScanner

33. मुद्रा की पूर्ति 274-283
(The Supply of Money)
मुद्रा पूर्ति की परिभाषा; मुद्रा पूर्ति के निर्धारक; उच्चस्तरीय या उच्च शक्ति वाली मुद्रा एवं मुद्रा गुणक; मुद्रा गुणकों की व्युत्पत्ति; भारत में मुद्रा पूर्ति के माप; प्रश्न।

34. मुद्रा का तरलता सिद्धान्त 284-287
(The Liquidity Theory of Money)
प्रस्तावना; रेडक्लिफ समिति का मत; रेडक्लिफ-सेयरस् थीसिस आलोचनाएं; गुर्ले-शॉ का मत; आलोचनाएं; निष्कर्ष; प्रश्न।

35. वाणिज्यिक बैंकों द्वारा साख निर्माण 288-293
(Credit Creation by Commercial Banks)
क्या बैंक साख निर्माण करते हैं ?; साख निर्माण की प्रक्रिया; बैंकों की साख निर्माण की सीमाएं; प्रश्न

36. केन्द्रीय बैंकिग: कार्य एवं साख-नियंत्रण 294-317
(Central Banking: Functions and Credit Control)
भूमिका; केन्द्रीय बैंक की परिभाषा; केन्द्रीय बैंक के कार्य; साख नियंत्रण; साख नियंत्रण के तरीके; कमर्शियल बैंकों तथा केन्द्रीय बैंक में संबंध; विकासशील अर्थव्यवस्था में केन्द्रीय बैंक की भूमिका; प्रश्न।

37. वित्तीय मध्यस्थ 318-324
(Financial Intermediaries)
अर्थ; मध्यस्थता की प्रक्रिया; वित्तीय मध्यस्थों की भूमिका; आर्थिक वृद्धि में वित्तीय मध्यस्थों की भूमिका; वित्तीय मध्यस्थ और अल्पविकसित देश; बचत-निवेश प्रक्रिया में वित्तीय मध्यस्थ; प्रश्न।

38. गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ 325-333
(Non-Bank Financial Intermediaries)
अर्थ; गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थों का कार्यभाग; गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ तथा मौद्रिक नीति; गुर्ले-शॉ थीसिस; बैंक तथा गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थों में अन्तर; प्रश्न

39. ब्याज दर के सिद्धान्त 334-343
(Theories of Interest Rate)
प्रस्तावना; केन्ज़ का ब्याज तरलता अधिमान सिद्धान्त; आलोचनाएं; ब्याज का आधुनिक सिद्धान्त; आलोचनाएं; केन्ज़ीय सिद्धान्त से श्रेष्ठता; प्रश्न

40. ISऔर LM फलन: वस्तु और मुद्रा बाजारों का सामान्य संतुलन 344-350
(IS and LM Functions: General Equilibrium of Product and Money Markets)
प्रस्तावना; वस्तु बाजार संतुलन; मुद्रा बाजार संतुलन; वस्तु और मुद्रा बाजार में सामान्य संतुलन; सामान्य संतुलन में परिवर्तन; प्रश्न

41. IS-LMमॉडल के विस्तार 351-361
(Extensions of IS-LM Model)
प्रस्तावना; सरकार द्वारा मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों में परिवर्तनों के प्रभाव; मौद्रिक नीति में परिवर्तनों के प्रभाव; मौद्रिक-राजकोषीय मिश्रित नीति; श्रम बाजार तथा लचीली कीमतों के साथ *IS-LM* मॉडल; लचीली मजदूरों तथा कीमतों के साथ *IS-LM* मॉडल : नव क्लासिकी विश्लेषण; नव-क्लासिकी मॉडल में राजकोषीय नीति का प्रभाव; विश्लेषण में IS-LM मॉडल; प्रश्न

Scanned by TapScanner

42. **ब्याज दरों का अवधि ढांचा**
(Term Structure of Interest Rates)
अर्थ; ब्याज दर के अवधि ढांचा के निर्धारक कारक; ब्याज-दर का अवधि ढांचा सिद्धान्त; प्रत्याशा सिद्धान्त; विभक्त बाजार सिद्धान्त; केन्ज़वादी सिद्धान्त, तरलता या जोखिम सिद्धान्त; अधिमानित आवास सिद्धान्त; प्रश्न। 362-373

43. **वित्तीय बाजार: मुद्रा एवं पूंजी बाजार**
(Financial Markets: Money and Capital Market) 374-389
वित्तीय बाजार; अर्थ; वर्गिकरण; वित्तीय बाजार की संस्थाएँ; वित्तीय बाजारों की कुशलता; वित्तीय बाजारों के कार्य; उनका कार्यकरण; वित्तीय बाजारों की आर्थिक विकास में भूमिका; मुद्रा बाजार; पूंजी बाजार; मुद्रा और पूंजी बाजार में अन्तर; मुद्रा और पूंजी बाजार में परस्पर संबंध; प्रश्न

44. **स्फीति तथा अवस्फीति**
(Inflation and Deflation) 390-439
प्रस्तावना; स्फीति का अर्थ एवं प्रकार; स्फीति अन्तराल; मांगजन्य अथवा स्फीति का मौद्रिक सिद्धान्त; लागतजन्य स्फीति; मांगजन्य स्फीति बनाम लागतजन्य स्फीति; मिश्रित मांगजन्य-लागतजन्य स्फीति; क्षेत्रीय अथवा मांग स्थानान्तरण स्फीति; संरचनात्मक स्फीति; मूल्य बढ़ाव स्फीति; खुली तथा निरूद्ध या दमित स्फीति; फिलिप्स वक्र: बेरोजगार और स्फीति में सम्बन्ध; स्फीति का खोज सिद्धान्त; गतिहीन स्फीति; स्फीति के कारण; विकसित देशों में स्फीति रोकने के उपाय; विकासशील देशों में स्फीति रोकने के उपाय; स्फीति के प्रभाव; अवस्फीति; अवस्फीति अन्तराल; स्फीति व अवस्फीति की तुलना; स्फीति की आर्थिक विकास में भूमिका; प्रश्न।

भाग पांच

व्यापार चक्र तथा आर्थिक वृद्धि के सिद्धान्त
(Theories of Trade Cycles and Economic Growth)

45. **व्यापार-चक्रों की प्रकृत्ति एवं सिद्धान्त**
(Nature of Trade Cycles and Theories) 440-465
अर्थ; चक्रों के प्रकार; व्यापार-चक्र की अवस्थाएँ; व्यापार-चक्र सम्बन्धी सिद्धान्त: हाट्रे का मुद्रा सिद्धान्त; हेक का मौद्रिक अति-निवेश सिद्धान्त; शूम्पीटर का नव-प्रवर्त्तन सिद्धान्त; केन्ज़ का व्यापार चक्र सिद्धान्त; फ्रीडमैन का व्यापार चक्र सिद्धान्त; सैम्यूलसन का व्यापार चक्र मॉडल; हिक्स व्यापार चक्र सिद्धान्त; कालडर का व्यापार चक्र सिद्धान्त; स्थिरिकरण नीतियाँ या व्यापार-चक्रों को नियंत्रित करने के उपाय; प्रश्न।

46. **गुडविन का व्यापार चक्र मॉडल**
(Goodwin's Trade Cycle Model) 466-469
सीमाए; गुडविन तथा हिक्स के मॉडलों में अन्तर; प्रश्न।

47. **समष्टि वितरण सिद्धान्त**
(Macro Distribution Theories) 470-479
प्रस्तावना; रिकार्डो का वितरण; कलैक्सी का एकाधिकार कोटि सिद्धान्त;

48. **हैरॅड तथा डोमर के मॉडल**
(The Harrod-Domar Model) 480-489
सतत् वृद्धि की आवश्यकताएं; डोमर का मॉडल; हैरॅड का मॉडल; इन मॉडलों की सीमाएँ; हैरॅड-डोमर मॉडलों की अल्पविकसित देशों पर व्यवहार्यता; अल्पविकसित देशों की दृष्टिकोण से वृद्धि मॉडलों की सीमाएं; निष्कर्ष; प्रश्न।

49. **आर्थिक वृद्धि का नव-क्लासिकी मॉडल**
(The Neo-Classical Model of Economic Growth) 490-494
मॉडल; n का लचीलापन; लचीला पूंजी-उत्पादन अनुपात; बचत अनुपात का लचीलापन; लचीला बचत अनुपात

Scanned by TapScanner

तथा लचीला पूँजी-उत्पादन अनुपात; तकनीकी उन्नति; प्रश्न।

50. **संचय का स्वर्णिम नियम** 495-499
(The Golden Rule of Accumulation)
अर्थ; स्वर्णिम नियम पथ; स्वर्णिम नियम का आरेखिय निरुपण; नव-क्लासिकी विश्लेषण; प्रश्न।

भाग छः

समष्टि अर्थनीति
(Macroeconomic Policy)

51. **समष्टि अर्थनीति के उद्देश्य** 500-506
(Objectives of Macroeconomic Policy)
प्रस्तावना; नीति लक्ष्य और उपकरण; समष्टि अर्थनीति के उद्देश्य : पूर्ण रोजगार; कीमत स्थिरता; आर्थिक वृद्धि; भुगतान शेष; नीति उद्देश्यों में विरोध या विनिमय; प्रश्न।

52. **मौद्रिक नीति** 507-514
(Monetary Policy)
अर्थ; उद्देश्य; मौद्रिक नीति के उपकरण; विस्तारक मौद्रिक नीति; प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति; विकासशील अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति की भूमिका; विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में इसकी सीमाएं; प्रश्न।

53. **राजकोषीय नीति** 515-519
(Fiscal Policy)
अर्थ; उद्देश्य; राजकोषीय नीति के औजार : बजट नीति; क्षतिपूरक राजकोषीय नीति; स्वनिर्णायात्मक राजकोषीय नीति; निष्कर्ष; प्रश्न।

54. **मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों में समन्वय** 520-525
(Co-ordination between Monetary and Fiscal Policies)
प्रस्तावना; आन्तरिक और बाह्य संतुलन के लिए नीतियां: व्यय-परिवर्तन और व्यय-घटाना; मण्डल का मॉडल, इसकी आलोचनाएं; प्रश्न।

55. **मुद्रावाद बनाम केन्ज़वाद** 526-532
(Monetarist and Keynesian Views on Monetary and Fiscal Policies)
प्रस्तावना; सैद्धान्तिक भेद; नीति विषयक अन्तर; प्रश्न।

56. **क्राउडिंग आउट तथा नीति में पश्चताएं** 533-539
(Crowding Out and Lags in Policy)
क्राउडिंग आउट तथा राजकोषीय नीति; नीति निर्माण में नियम बनाम स्वर्णिम; नीति के प्रभावों में पश्चताएं; नीति निहितार्थों की आलोचनाएं; प्रश्न।

57. **मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों की प्रभाविता** 540-548
(Effectiveness of Monetary and Fiscal Policies)
प्रस्तावना; मौद्रिक नीति; राजकोषीय नीति; मौद्रिक-राजकोषीय मिश्रण; समन्वयवादी मत : तीन रेंज विश्लेषण; प्रश्न।

58. **विवेकपूर्ण प्रत्याशाओं की परिकल्पना** 549-553
(The Rational Expectations Hypotheis)
प्रस्तावना; विवेकपूर्ण प्रत्याशाएं; इनकी मूल प्रस्थापनाएं; विवेकपूर्ण प्रत्याशाएं और फिलिप्स वक्र; इसके नीति संबंधी निहितार्थ; स्थिरीकरण नीति तथा रेटक्स परिकल्पना; इसकी आलोचनाएं; प्रश्न।

Scanned by TapScanner

59. नव क्लासिकी समष्टि अर्थशास्त्र
(The New Classical Macro-economics) 554-
प्रस्तावना; नव क्लासिकी समष्टि अर्थशास्त्र; नव क्लासिकी समष्टि अर्थशास्त्र के नीति निहितार्थ; नव क्लासिकी समष्टि अर्थशास्त्र की आलोचनाएं; आनुभविक प्रमाण; प्रश्न।

60. पूर्ति-पक्ष अर्थशात्र
(Supply-Side Economics) 562-
प्रस्तावना; पूर्ति-पक्ष अर्थशास्त्र की विशेषताएं; पूर्ति-पक्ष अर्थशास्त्र की आलोचनाएं; प्रश्न।

61. वास्तविक व्यापार चक्र सिद्धांत
(The Real Business Cycle Theory) 568-5
प्रस्तावना; तकनीकी आघातों की भूमिका; वास्तविक व्यापार चक्र सिद्धांत की आलोचनाएं; प्रश्न।

62. नव केन्ज़ीय अर्थशास्त्र
(New Keynesian Economies) 574-58
प्रस्तावना; नवक्लासिकी और नवकेन्ज़ीय समष्टि अर्थशास्त्र में अन्तर; नवकेन्ज़ीय अर्थशास्त्र के मुख्य लक्षण; नव केन्ज़ीय अर्थशास्त्र की आलोचनाएं; प्रश्न।

भाग सात

खुली अर्थव्यवस्था में समष्टि अर्थशास्त्र
(MACROECONOMICS IN OPEN ECONOMY)

63. भुगतान शेष :अर्थ और घटक
(Balance of Payments : Meaning and Components) 586-594
अर्थ; भुगतान शेष के घटक; क्या भुगतान शेष हमेशा संतुलन में होते हैं ?; व्यापार शेष और भुगतान शेष; भुगतान शेष में असंतुलन; प्रतिकूल (या घाटे का) भुगतान शेष के कारण;प्रतिकूल (या घाटे के) भुगतान शेष को ठीक करने के उपाय; प्रश्न।

64. भुगतान शेष के समायोजन तंत्र
(Adjustment Mechanisms of Balance of Payments) 595-607
प्रस्तावना; स्वर्णमान के अन्तर्गत स्वतः कीमत समायोजन; लचीली विनिमय दरों के अन्तर्गत स्वतः कीमत समायोजन (कीमत प्रभाव); लोच विधि; अवशोषण की धारणा; मौद्रिक धारणा; प्रश्न।

65. भुगतान शेष नीतियां : आंतरिक तथा बाह्य संतुलन
(Balance of Payments Policies :Internal and External Balance) 608-618
प्रस्तावना; व्यय परिवर्तनकारी मौद्रिक तथा फिस्कल नीतियां; मंडल-फ्लेमिंग मॉडल; व्यय बदलावकारी नीतियां; प्रश्न।

66. विदेशी विनिमय दर
(Foreign Exchange Rate) 619-631
विनिमय दर का अर्थ; तत्काल और अग्रिम विनिमय दर; विनिमय दर के सिद्धान्त; विनिमय दर में परिवर्तन के कारण; प्रश्न

67. विदेशी विनिमय दर नीति
(Foreign Exchange Rate Policy) 632-641
प्रस्तावना; स्थिर विनिमय दरें; लोचदार विनिमय दरें; विविध विनिमय दर प्रणाली; व्यवहार में विनिमय दर प्रणालियां; प्रश्न।

Scanned by TapScanner